Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 1

– Save This Page as a PDF–

यीशु पानी पर चलता है

मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२; यूहन्ना ६:१६-२१

खोदाई: यीशु प्रेरितों के साथ नाव में क्यों नहीं गए? एक निराशाजनक दिन के बाद, शिष्यों को तिबरियास झील पर किस नई समस्या का सामना करना पड़ा? बारह लोग भयभीत क्यों थे? मसीह ने उनके डर को शांत करने के लिए कौन से तीन काम किये? पाँच हज़ार लोगों को खाना खिलाने के चमत्कार में प्रेरित क्या समझने में असफल रहे जो उन्हें इस अनुभव में मदद कर सकता था? प्रभु उन्हें क्या सिखाने का प्रयास कर रहे थे?

चिंतन: साहस वह डर है जिसने अपनी प्रार्थनाएं कही हैं। परमेश्वर हमारे विश्वास की परीक्षा क्यों लेते हैं? आपके विश्वास का परीक्षण किन तरीकों से किया गया है? आपके विश्वास की परीक्षा में यीशु ने आपको किस प्रकार प्रतिक्रिया दी है? येशुआ उन लोगों के पास से क्यों गुजरता है जो आत्मनिर्भर हैं? उनके सबसे बड़े भय के क्षण में, मसीहा ने आश्वासन के शब्दों से शिष्यों को शांत किया। परीक्षा के समय में प्रभु को जानने से कैसे मदद मिलती है? जब परीक्षण आता है, तो मैं अपने आप को कैसे याद दिला सकता हूँ कि यीशु मसीह हमेशा वहाँ हैं, भले ही मैं उन्हें “देख” न पाऊँ?

पाँच हज़ार लोगों को खाना खिलाने के बाद, हमारे उद्धारकर्ता को कुछ समय अकेले बिताने की ज़रूरत थी। उसने प्रेरितों को नाव में उनके अगले पड़ाव के लिए आगे भेज दिया। ईसा मसीह के समय में, नाव से यात्रा करना सबसे तेज़ तरीका था। अधिकांश यात्राएँ ज़मीन के रास्ते से करनी पड़ती थीं, लेकिन जब भी किसी मार्ग में नौकायन शामिल होता था, तो यात्रा अक्सर छोटी होती थी। अर्थात्, जब तक तूफ़ानी हवाएँ न चलने लगें।

जब शाम हुई, जो शाम के छह बजे थे, यीशु के शिष्यों तिबरियास झील पर गए, जिसे कभी- कभी गलील सागर या झील भी कहा जाता था, जहां वे एक नाव में चढ़ गए और झील के पार गेनेसरेट की ओर चल पड़े, कफरनहूम के दक्षिण-पश्चिम में उपजाऊ मैदान (यूहन्ना ६:१६-१७ए)। शांत पानी में फैले सफेद पाल के साथ, ऐसा लग रहा था कि यह गेनेसेरेट की ओर आसानी से जा रहा है।

तब तक अंधेरा हो चुका था और यीशु स्पष्ट रूप से प्रार्थना करने के लिए एक पहाड़ पर कुछ घंटे अकेले रुके थे क्योंकि वह उनके साथ शामिल नहीं हुए थे (मती १४:२३;

Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 2

मरकुस ६:४६ और युहन्ना ६:१७बी)। मसीहा का प्रार्थना करने के लिए अकेले चले जाना हमें आने वाले संकट का संकेत देता है। सुसमाचार में केवल छह अवसर हैं जिनमें येशुआ प्रार्थना करने के लिए पीछे हटता है, और प्रत्येक घटना में उसके लिए ईश्वर के मिशन को पूरा न करने का प्रलोभन शामिल होता है – एक ऐसा मिशन जो अंततः पीड़ा, अस्वीकृति और मृत्यु लाएगा। ये संकट तीव्रता में बढ़ते प्रतीत होते हैं और गेथसेमेन की पीड़ा में अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँचते हैं।

पहली बार वह स्वयं प्रार्थना करने के लिए तब गया जब गुरु को जंगल में ले जाया गया और शैतान द्वारा उसकी परीक्षा ली गई। वहां, जब उसने प्राचीन सर्प का सामना किया तो पवित्र आत्मा उसके साथ मौजूद था (देखें Bj – यीशु ने जंगल में परिक्षित हुए)।

दूसरे, यीशु अपने दूसरे प्रमुख प्रचार दौरे से पहले अकेले प्रार्थना करने के लिए चले गए (देखें Cm – यीशु ने पूरे गलील में यात्रा की, सुसमाचार प्रचार किया)। वह जानता था कि विरोधी सक्रिय रूप से उसके मिशन का विरोध करेगा और प्रार्थना की आवश्यकता होगी।

तीसरा, प्रभु ने अपने पहले मसीहाई चमत्कार के बाद अकेले प्रार्थना की (लूका ५:१६)। अवलोकन के चरण के दौरान, वह जानता था कि वह महासभा का ध्यान आकर्षित करेगा क्योंकि मसीहापन के किसी भी दावे की जांच करना उनकी ज़िम्मेदारी थी। और उसने ऐसा ही किया – महासभा के सदस्यों ने उसका उपदेश सुनने के लिए कफरनहूम तक यात्रा की। ईसा मसीह जानते थे कि यह उनकी सांसारिक सेवकाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होने वाला है क्योंकि उन्होंने उस दिन न केवल एक लकवाग्रस्त व्यक्ति को ठीक किया था (देखें Co – यीशु ने क्षमा करता है और एक लकवाग्रस्त व्यक्ति को ठीक करता है), बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि, यीशु ने देवता होने का दावा करते हुए अपने पापों को माफ कर दिया था।

चौथा, येशुआ हा-माशियाच अपने शिष्य को चुनने से पहले प्रार्थना करने के लिए एक शांत जगह पर गए जो उनके जाने के बाद उनके मंत्रालय को आगे बढ़ाएंगे (देखें Cy – ये बारह प्रेरितों के नाम हैं)। ये महत्वपूर्ण निर्णय थे और उन्हें अकेले रहने और इसके बारे में प्रार्थना करने की आवश्यकता थी।

पांचवां, पांच हजार लोगों को खाना खिलाकर लोग उसे राजा बनाना चाहते थे। इस प्रकार, गलील के रब्बी ने अपने शिष्यों को झील के पार गेनेसेरेट में वापस भेज दिया, और प्रार्थना करने के लिए खुद पहाड़ी पर जाने से पहले भीड़ को विदा कर दिया (देखें Fo – यीशु ने एक राजनीतिक मसीहा के विचार को अस्वीकार कर दिया)। उसने अपने प्रेरितों को दूसरे तूफान से बचाने के लिए उनके पास जाने में काफी देर कर दी। पानी पर चलकर उन्होंने अपने देवता का प्रदर्शन किया।

और छठा, पीड़ित सेवक के अकेले प्रार्थना करने के चरमोत्कर्ष में, वह इतना तनाव

Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 3

में था कि उसका पसीना खून की बूंदों की तरह जमीन पर गिर रहा था जो सुबह क्रूस का पूर्वाभास दे रहा था (देखें Lb – गेथसेमेन का बगीचा)।

क्योंकि गलील सागर के उत्तरी छोर पर एक सामान्य यात्रा में नाव किसी भी बिंदु पर किनारे से एक या दो मील से अधिक की यात्रा नहीं करती थी, तूफान स्पष्ट रूप से इसे कई मील दक्षिण में, झील के बीच में ले गया था। जब यीशु ने शिष्यों को चप्पुओं पर जोर लगाते देखा तो वे पहले से ही जमीन से काफी दूरी पर थे। छोटे जहाज़ पर तेज हवा चल रही थी और पानी उग्र हो गया था (मत्तीयाहू १४:२४; मरकुस ६:४७-४८ए; युहन्ना ६:१८), जिससे वे अपने गंतव्य से दूर और दूर तथा विपत्ति के और करीब आ रहे थे।

मेरे पास तुम्हारे लिए एक अच्छी खबर है दोस्त। प्रभु ने उन्हें चप्पुओं पर जोर लगाते हुए देखा और वह तुम्हें भी अपने जीवन के चप्पुओं पर जोर लगाते हुए देखता है। वह आपकी समस्याओं को जानता है. आपको उसे बताने के लिए भड़काने की ज़रूरत नहीं है। वह पहले से ही जानता है, और उससे भी अधिक। वह ख्याल करता हैं। अंधेरी रात के बीच परिणाम चाहे जो भी हो, उस पर विश्वास रखें।

रात के चौथे पहर के दौरान प्रेरित अभी भी चप्पुओं पर जोर दे रहे थे (मती १४:२५ए एनएएसबी)। रात को चार घड़ियों या पालियों में विभाजित किया गया था। पहला शाम छह बजे से नौ बजे तक, दूसरा नौ बजे से बारह बजे तक, तीसरा बारह से तीन बजे तक और चौथा तीन बजे से सुबह छह बजे तक या सुबह होने से ठीक पहले। इसलिए उन्होंने छह से नौ घंटों में केवल तीन या चार मील की दूरी तय की थी! वे मूल रूप से कोई प्रगति नहीं कर रहे थे और पूरी तरह से थके हुए और निराश थे (मती १४:२५; युहन्ना ६:१९ए)। एक से अधिक शिष्यों के सोचने के लिए पर्याप्त समय, “यीशु कहाँ हैं? हम थक गये हैं। वह जानता है कि हम नाव में हैं। सबसे पहले यह उनका ही विचार था!”

लेकिन येशुआ को उनकी स्थिति के बारे में ऐसा होने से बहुत पहले ही पता था। उनके पास आने से पहले उसने कई घंटों तक इंतजार किया, ठीक वैसे ही जैसे उसने बेथनी में आने से पहले तीन दिन तक लाजर के मरने का इंतजार किया था। दोनों ही मामलों में वह उससे बहुत पहले आ सकता था, और दोनों ही मामलों में वह लाजर को मरने या तूफान को बढ़ने से रोक सकता था। लेकिन अपने दिव्य उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, उन्होंने बेथानी में मैरी और मार्था और झील पर शिष्यों को कार्य करने से पहले खुद को ख़त्म करने की अनुमति दी। उसने उन्हें अपने पुनरुत्थान के बाद उनके विश्वास की जीत और आगे के मंत्रालय के वर्षों के लिए तैयार करने के लिए उनकी पीड़ा के बीच में कुछ समय के लिए छोड़ दिया।

बारहों को दाऊद के साथ आनन्द करना चाहिए था, कि यदि मैं स्वर्ग पर चढ़ूंगा, तो तू वहां है; यदि मैं शोल में लेटूं, तो तू वहां है। यदि मैं भोर के पंखों से उड़कर समुद्र के पार जाऊं, तो वहां भी तेरा हाथ मुझे थाम लेगा। (भजन १३९:८-१० सीजेबी) प्रेरितों को यह याद रखना चाहिए था कि यहोवा उत्पीड़ितों के लिए गढ़ है, संकट के

Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 4

समय में शक्ति का गढ़ है (भजन ९:९ सीजेबी), वह यहोवा मेरी चट्टान, मेरा गढ़ और उद्धारकर्ता, मेरा परमेश्वर, मेरी चट्टान है, जिसमें मैं हूं आश्रय पाओ, मेरी ढाल, वह शक्ति जो मुझे बचाती है, मेरा गढ़ (भजन १८:२ सीजेबी), और वह उन्हें सुरक्षित रखेगा जब वे मृत्यु की छाया की घाटी से गुजर रहे थे (भजन २३:४)।

शिष्यों ने मसीहा के स्वयं के शब्दों या आश्वासन को भूल गए थे कि उनके स्वर्गीय पिता उनकी सभी जरूरतों को उनके पूछने से पहले ही जानते थे (मत्तीयाहु ६:३२) और यह कि आपके पिता के अलावा एक भी गौरैया जमीन पर नहीं गिरेगी, और यह कि उनके बाल भी तुम्हारे सिर गिने हुए हैं (मती १०:२९-३०)। वे केवल अपने स्वयं के खतरे के बारे में सोच सकते थे और वे जो कुछ भी महसूस कर सकते थे वह केवल अपना भय था।

परन्तु येशुआ प्रेरितों को नहीं भूला था। फिर
उन्होंने यीशु को गलील की झील पर चलते हुए देखा (मती १४:२५; मरकुस ६:४८बी; युहन्ना ६:१९बी)। ऑन शब्द एपी है, जिसका प्रयोग जब जेनिटिव केस के साथ किया जाता है (जैसा कि यहां है) संपर्क का प्रतीक है। हमारे प्रभु की चप्पलों का पानी के साथ वास्तविक संपर्क था। वह पानी की सतह पर वैसे ही चला जैसे हम कठोर फुटपाथ पर चलते हैं। यह युहन्ना की पुस्तक में प्रभु के सात चमत्कारों में से पांचवां है (यूहन्ना २:१-११; ४:४३-५४; ५:१-१५; ६:१-१५; ९:१-३४; ११:१-४४) .

उन्हें मदद के लिए उसे बुलाने की ज़रूरत थी। वह उनके पास से गुजरने ही वाला था कि प्रेरितों ने उसे देखा और भयभीत हो गये (यूहन्ना ६:१९सी)। पहले के तूफ़ान के विपरीत जिसे यीशु ने शांत किया था, इसने केवल हवाओं और लहरों को उकसाया जिन्होंने उनकी प्रगति का विरोध किया। शिष्यों नौ घंटे तक कड़ी मेहनत कर रहे थे। अपने स्वयं के प्रयासों में लीन, वे स्पष्ट रूप से येशुआ को पानी पर चलने से लगभग चूक गए। वे शायद सोच रहे थे कि वह उनकी यात्रा पर उनके साथ क्यों नहीं गया, फिर भी जब वह अचानक प्रकट हुआ तो वे आश्चर्यचकित हुए और भयभीत भी हुए। जब हम जीवन की चुनौतियों में, या यहाँ तक कि ईसा मसीह के निर्देशों का पालन करते हुए इस कदर फँस जाते हैं कि हम उनकी उपस्थिति का एहसास खो देते हैं, तो हमने अपना ध्यान गलत चीज़ पर केंद्रित कर दिया है। परीक्षण अक्सर हमारा ध्यान यीशु की ओर वापस लाने के लिए आते हैं।

Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 5

इसमें कोई संदेह नहीं है कि तूफान की स्थिति और सीमित दृश्यता ने नाव पर सवार अनुभवी गैलीलियन मछुआरों को भी भयभीत कर दिया था। और जैसा कि एक विशिष्ट उद्देश्य था जब येशुआ ने अपने बीमार मित्र लाजर के पास जाने में दो दिन की देरी कर दी (देखें Ia – लाजर का पुनरुत्थान: योना का पहला संकेत); यहाँ, प्रभु के पास पहले बारह में शामिल न होने का एक विशेष कारण था (यूहन्ना ६:१७ए) क्योंकि झील पार करते समय उन्हें चप्पुओं पर संघर्ष करना पड़ा था। उसने रणनीतिक रूप से दोनों देरी का उपयोग चमत्कार करने के लिए किया जो उसके प्रेरितों से विश्वास और विश्वास प्राप्त करेगा। “यह एक भूत है,” उन्होंने कहा, और डर से चिल्लाये (मत्ती १४:२६; मरकुस ६:४८सी-५०ए)। भूत शब्द ग्रीक शब्द फैंटस्मा है, जिसका अर्थ है एक प्रेत, कल्पना का प्राणी, और यहीं से हमें अंग्रेजी शब्द फैंटम और फैंटासम (या एक भ्रम) मिलता है।

इस समय यीशु ने उन्हें सांत्वना दी। परन्तु उस ने तुरन्त उन से कहा, साहस रखो! यह बिल्कुल वही था जो आतंक से त्रस्त शिष्यों को सुनने की ज़रूरत थी। यह मैं हूं। डरो मत (मती १४:२७; मरकुस ६:५०बी; यूहन्ना ६:२०)। आधुनिक हिब्रू (एनी हू) शायद उनकी घोषणा की शक्ति को पूरी तरह से पकड़ नहीं पाता है। ग्रीक में, यह वाक्यांश आई एम् (अहंकार ईमी) है, जिसका उपयोग युहन्ना के सुसमाचार में मसीहा की दिव्य प्रकृति के बयान के रूप में किया जाता है। शास्त्रीय हिब्रू में यह यहोवा का एक रूप होगा, परमेश्वर का नाम, जो क्रिया का अपूर्ण हिब्रू काल है। यहोवा शाश्वत और सर्वशक्तिमान है, महान मैं हूं। चूँकि यीशु अपने प्रेरितों को आश्वस्त करने का प्रयास कर रहा था कि सब कुछ उसके नियंत्रण में है, यह कहने का यह सबसे अच्छा संभव तरीका होगा। उन्होंने तुरंत उसकी आवाज़ पहचान ली।

दूसरी शताब्दी के उत्तरार्ध में अन्ताकिया के लूसियन के दिनों से ही इस चमत्कार का उपहास किया जाता रहा है। डेविड फ्रेडरिक स्ट्रॉस के समय से ही अविश्वासियों ने इसे एक मिथक माना है। स्ट्रॉस को यह विश्वास करना विशेष रूप से कठिन लगा कि ईसा मसीह के शरीर ने वास्तव में गुरुत्वाकर्षण के नियम का उल्लंघन किया है। अठारहवीं सदी के प्रकृतिवाद ने इसे यह कहकर समझाने की कोशिश की कि प्रेरितों की नाव किनारे के करीब रहती थी और यीशु पानी पर नहीं बल्कि जमीन पर चल रहे थे। बेशक, बाइबल चीजों को अलग तरह से देखती है। यह घोषणा करता है कि विश्वास के बिना परमेश्वर को प्रसन्न करना असंभव है (इब्रानियों ११:६ए)।

बारहों को यह कैसे करना है यह सिखाने के लिए मसीह पानी पर नहीं चले। पतरस ने कोशिश की और असफल रहा; और अन्य किसी के भी प्रयास करने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। जहां तक प्रेरितों का सवाल है, यीशु उन्हें अपनी आसन्न मृत्यु और पुनरुत्थान के लिए तैयार करना चाह रहा था। यह चमत्कार पुनरुत्थान की भविष्यवाणी थी। वही शरीर जो पानी पर चला था वह भी बंद दरवाजे से बिना खोले गुजर जाएगा (यूहन्ना २०:१९-२९)।

२०११ में सितंबर की एक सुबह, फ़्रैंक सिलेचिया ने अपने जूते उतारे, अपनी टोपी

Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 6

लगाई और अपने न्यू जर्सी स्थित घर के दरवाज़े से बाहर निकले। एक निर्माण श्रमिक के रूप में, उन्होंने चीज़ें बनाकर जीवनयापन किया। लेकिन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के मलबे के एक स्वयंसेवक के रूप में, उन्होंने बस इसका कुछ अर्थ निकालने की कोशिश की। उसे एक जीवित शव मिलने की आशा थी। उसने नहीं किया. उन्हें ४७ मृत लोग मिले।

हालाँकि, नरसंहार के बीच, उसकी नज़र एक प्रतीक पर पड़ी – एक बीस फुट लंबा स्टील-बीम क्रॉस। बिल्डिंग सिक्स पर ढहे टॉवर वन ने अव्यवस्था में एक कच्चा कक्ष बना दिया। कक्ष में, धूल भरे सूर्योदय के माध्यम से, फ्रैंक ने क्रॉस को देखा। . .

टुकड़ों में एक प्रतीक. संकट में एक पार. “इस सब
में परमेश्वर कहाँ है? हमने पूछा। इस खोज ने हमें यह आशा करने का साहस दिया, “इस सब के ठीक बीच में।”

क्या हमारी त्रासदियों के बारे में भी यही कहा जा सकता है? जब एम्बुलेंस हमारे बच्चे को ले जाती है या बीमारी हमारे दोस्त को ले जाती है, जब अर्थव्यवस्था हमारी सेवानिवृत्ति ले लेती है या दो-समय वाला हमारा दिल ले लेता है – क्या हम, फ्रैंक की तरह, संकट के बीच में मसीह को पा सकते हैं? परीक्षणों की उपस्थिति हमें आश्चर्यचकित नहीं करती। लेकिन ईश्वर की कथित अनुपस्थिति हमें कुचल सकती है।

यदि ईश्वर उसमें है तो हम एम्बुलेंस से निपट सकते हैं।

यदि ईश्वर उसमें है तो हम आईसीयू का पेट भर सकते हैं।

यदि ईश्वर उसमें है तो हम खाली घर का सामना कर सकते हैं।

हमारे जीवन के तूफ़ान के भीतर से एक अचूक आवाज़ आती है: मैं हूँ.

जवाब में, पतरस अनुरूपता का एक अद्भुत संकेत लेकर आया। यदि रात की छाया में धुंधली आकृति वास्तव में रब्बी येशुआ की होती, तो वह किसी चमत्कार की माँग करता! “हे प्रभु, यदि यह आप हैं,” केफ़ा ने उत्तर दिया, “मुझे पानी पर आपके पास आने के लिए कहो” (मत्ती १४:२८)। केफा मसीहा का परीक्षण नहीं कर रहा था; वह उससे विनती कर रहा था। तूफानी समुद्र पर कदम रखना तर्क की चाल नहीं है; यह हताशा का कदम है। पतरस

Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 7

ने नाव का किनारा पकड़ लिया। एक पैर बाहर फेंक दिया. . . और दूसरे के साथ पीछा किया। उन्होंने कई कदम उठाए. यह ऐसा था मानो उसके पैरों के नीचे चट्टानों की एक अदृश्य चट्टान दौड़ गई हो। पर्वतमाला के अंत में कभी न हारने वाले मित्र का चमकता हुआ चेहरा था। हम भी यही काम करते हैं ना? हम गहरी आवश्यकता की घड़ी में मसीह के पास आते हैं। हम अच्छे कार्यों की नाव को त्याग देते हैं। हमने महसूस किया । . . वह मानवीय शक्ति हमें नहीं बचाएगी। इसलिए हम हताशा में यहोवा की ओर देखते हैं। हमने महसूस किया । . . कि दुनिया के सभी अच्छे काम परमेश्वर के मेमने के सामने रखे जाने पर कुछ भी नहीं हैं।



आओ, उन्होंने कहा. उद्धारकर्ता के प्रति पतरस का प्रेम
अपूर्ण और कमज़ोर था, लेकिन यह वास्तविक था। जब अन्य प्रेरित विस्मय से देख रहे थे, पतरस नाव से बाहर निकला, पानी पर चला और यीशु की ओर आया। जब तक केफ़ा ने प्रभु पर अपनी नज़रें रखीं, वह पानी पर चलने वाले मसीहा के चमत्कार की नकल करने में सक्षम था। मसीह ने केफा के लाभ के लिए उस चमत्कार को घटित होने दिया। परन्तु जब उस ने हवा को देखा, तो डर गया, और अपनी आंखें यीशु पर से हटा लीं, और डूबने लगा, और चिल्लाकर कहा, “हे प्रभु, मुझे बचा ले” (मत्ती १४:२९-३०)।

अपने दयालु चरित्र के अनुरूप, यीशु ने तुरंत अपना हाथ बढ़ाया और उसे पकड़ लिया। इस प्रक्रिया में, उन्होंने पतरस (और अन्य) को धीरे से चेतावनी दी जब उन्होंने कहा: तुम कम विश्वास वाले हो, उन्होंने कहा, तुमने संदेह क्यों किया (मती १४:३१)? विश्वास केवल वर्तमान काल है; यह बैंक खाते की तरह नहीं बनता है. केफ़ा कुछ ही सेकंड में अधिक विश्वास (नाव से बाहर निकलना) से कम विश्वास (डूबने लगा) में चला गया।

परन्तु पतरस का थोड़ा विश्वास अविश्वास से बेहतर था; और, जैसे आँगन में जब उसने प्रभु का इन्कार किया, कम से कम वह आँगन में था और बाकी शिष्यों की तरह झाड़ी के

Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 8

नीचे कहीं छिपा नहीं था। कम से कम उसने येशुआ की ओर बढ़ना शुरू कर दिया, और जब वह लड़खड़ाया, तो मसीहा उसे बाकी रास्ते पर ले गया (देखें Mn – यीशु ने पतरस को बहाल किया)। केफ़ा एक दिन लिखेगा: इस सब में आप बहुत आनन्दित होते हैं, हालाँकि अब थोड़े समय के लिए आपको सभी प्रकार के परीक्षणों में दुःख सहना पड़ा होगा। ये इसलिए आए हैं ताकि आपके विश्वास की सिद्ध वास्तविकता – सोने से भी अधिक मूल्यवान, जो आग से ताने जाने पर भी नष्ट हो जाता है – मसीह के प्रकट होने पर प्रशंसा, महिमा और सम्मान का परिणाम हो (प्रथम पतरस १:६-७)।

और मानो प्रकृति पर मसीह की शक्ति की फिर से पुष्टि करने के लिए, केफा और उद्धारकर्ता नाव में चढ़ गए, हवा अचानक थम गई। ग्रीक क्रिया डाइड डाउन कोपाज़ो है, जिसका अर्थ है हिंसा बंद करना, उग्रता बंद करना। संज्ञा रूप का अर्थ है पिटाई, परिश्रम या थकावट। यह एक सुंदर और मनोरम शब्द है. यह ऐसा था मानो समुद्र आराम करने के लिए डूब गया हो क्योंकि वह अपने ही प्रकोप से थक गया था।806 तुरंत नाव किनारे पर पहुंच गई जहां वे जा रहे थे। वे पूरी तरह से चकित हो गए, क्योंकि उनके दिल कठोर हो गए थे और उन्हें रोटियों के बारे में समझ नहीं आया था (मत्ती १४:३२; मरकुस ६:५१-५२; यूहन्ना ६:२१)। इस मुहावरे का मतलब यह नहीं था कि वे निर्दयी या क्रूर थे (जैसा कि अंग्रेजी में होता है)। बल्कि, उनके तर्क और भावनाओं ने विकास का विरोध किया। हम कहेंगे कि वे “मोटे दिमाग वाले” थे। यहाँ प्रेरितों के लिए सबक यह था कि उन्हें किसी भी स्थिति में मसीहा पर निर्भर रहने की ज़रूरत थी जिसे वे स्वयं संभाल नहीं सकते थे। निःसंदेह, यह वह सबक है जो उन्हें पहले सीखना चाहिए था (देखें Fn – यीशु ने ५,००० लोगों को खाना खिलाया)।

तब जो नाव पर थे उन्होंने उसकी आराधना की (ग्रीक: प्रोस्कुनेओ, जिसका अर्थ है चेहरा चूमना) और कहा: सचमुच तू परमेश्वर का पुत्र है (मती १४:३३)। तूफान के बाद, प्रेरितों ने उसकी पूजा की। एक समूह के रूप में, उन्होंने पहले कभी ऐसा नहीं किया था। कभी नहीं। इसकी जांच – पड़ताल करें। अपनी बाइबिल खोलिए। किसी अन्य समय की खोज करें जब सभी बारहों ने उसकी पूजा की थी। आपको यह नहीं मिलेगा. जब वह कोढ़ी को ठीक करता है तो आप उन्हें पूजा करते हुए नहीं पाएंगे। व्यभिचारिणी को क्षमा कर देता है। या जनता को उपदेश देता है. वे अनुसरण करने को तैयार थे। परिवार छोड़ने को तैयार. राक्षसों को बाहर निकालने के इच्छुक. परन्तु गलील सागर की घटना के बाद ही उन्होंने उसकी आराधना की। क्यों? सरल। इस बार वे ही बचाये गये थे!

यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि पतरस और अन्य प्रेरितों को कई बार मूर्ख, कमजोर लोगों के रूप में चित्रित किया गया है जो यीशु के संपर्क से बाहर थे। हालाँकि यह सच है कि जब मसीहा इसराइल में आया तो वे मात्र नश्वर थे, कम से कम केफ़ा नाव से बाहर आ गया! यह विशेष रूप से प्रशंसनीय है जब हम इस तथ्य पर विचार करते हैं कि पवित्र आत्मा का वास शावोट के भविष्य के दिन तक शुरू नहीं होगा। यह उल्लेखनीय है कि पतरस वास्तव में तब तक पानी पर चलता रहा जब तक उसने येशुआ से अपनी आँखें नहीं हटा लीं। जब हम मसीह में अपने साधारण विश्वास से विमुख हो जाते

Fp – यीशु पानी पर चलता है मत्ती १४:२४-३३; मरकुस ६:४७-५२;
यूहन्ना ६:१६-२१ | 9

हैं तो क्या हम सभी किसी बिंदु पर समान प्रलोभनों और भटकावों का शिकार नहीं हो जाते? क्या हम अपने चारों ओर लहरों की तलाश कर रहे हैं या अपने मेशियाच की, जिसने लहरें बनाईं?

प्रभु यीशु, मुझे कभी भी आपकी सेवा में इतना मत उलझने दो कि मैं आपका इंतजार करना ही बंद कर दूं। मुझे याद दिलाएं कि प्रतिरोध और कठिनाई कभी-कभी मुझे यह देखने में मदद करने के लिए आती है कि आपके उद्देश्यों का उस चीज़ से कोई लेना-देना नहीं है जो मैं पूरा करता हूं और जो कुछ आप मेरे अंदर और मेरे माध्यम से पूरा करते हैं उससे अधिक है। मुझे यह विश्वास दिलाने में सहायता करें कि मेरे जीवन में अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आपको जो भी करने की आवश्यकता है, आप करेंगे, और सही समय पर। मुझे सिखाओ कि मैं तुम्हारी तलाश करूं और तुम्हें अपने पास से न गुजरने दूं। आमीन। वह वफ़ादार है।